B.A.(Economics)

Course outcome

B.A. 3year

Paper1 विकास एवं पर्यावरण अर्थशास्त्र

CO 1 इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के पश्चात विद्यार्थी आर्थिक वृद्धि और विकास को समझने में सक्षम होंगे

CO 2 विकास के सिद्धांत एडम स्मिथ कार्ल मार्क्स शंपीटर व रोस्टोव की आर्थिक अवस्थाओं का अध्ययन करेंगे

CO 3 संतुलित संतुलित बनाम असंतुलित विकास बड़े धक्के का सिद्धांत जिसमें विद्यार्थी यह जानेंगे कि संतुलित एवं असंतुलित को कैसे ठीक किया जा सकता है

CO 4 आर्थिक विकास में महिला सशक्तिकरण लैंगिक विकास सूचकांक के बारे में विद्यार्थी जानेंगे

CO 5 विद्यार्थी आर्थिक विकास में पर्यावरण को कैसे बचाया जा सकता है इसका अध्ययन करेंगे

Paper 2nd : stastistics

CO1 विद्यार्थी इस इकाई में सांख्यिकी का अर्थ एवं परिभाषा और साथ में समको क्या महत्व होता है यह जानेंगे

CO2 विद्यार्थी को केंद्रीय प्रवृत्ति का मापन माध्य माध्यिका बहुलक आदि को समझने में सक्षम होंगे

CO3 इस इकाई में विद्यार्थी कार्ल पियर्सन का संबंध गुणांक का अध्ययन करने से दो वस्तुओं में किस प्रकार संबंध होते हैं

CO4 इस इकाई का अध्ययन करने के पश्चात विद्यार्थी लेस्पियर पाशचे एवं फिशर का सूचकांक से सूचकांक के बारे में जान पाएंगे

CO 5 प्रायिकता का अध्ययन करने के बाद विद्यार्थी किसी भी बात में कितनी सत्यता पाई जाती है यह जानने में सक्षम होंगे

B.A. 2nd YEAR

Paper:- 1 Macro economics(समष्टि अर्थशास्त्र)

CO1 इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के पश्चात विद्यार्थी समष्टि अर्थशास्त्र एवं व्यष्टि अर्थशास्त्र में अंतर समष्टि आर्थिक चर राष्ट्रीय आय और प्रतिष्ठित एवं किंसवादी विचारधाराओं में उत्पादन और रोजगार के निर्धारण को समझने में सक्षम होंगे

Govt. College, Nagda

CO 2 वे अर्थव्यवस्था में उपभोग एवं निवेश की कार्य पद्धति को समझ सकेंगे तथा आई एस एल एम वक्र का निर्धारण कर उनके अर्थव्यवस्था में उपभोग की व्याख्या कर सकेंगे

CO 3 विद्यार्थी मुद्रास्फीति अवस्फीति और व्यापार चक्र के विभिन्न सिद्धांतों की अवधारणा माप और प्रभावो की व्याख्या करने में सक्षम होंगे

Paper:- 2 मुद्रा बैंकिंग एवं लोक वित्त

इस पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के पश्चात विद्यार्थियों में यह योग्यता होगी कि वे

CO 1 मुद्रा के परिमाण सिद्धांत मुद्रा पूर्ति के निर्धारक तत्व साख निर्माण की प्रक्रिया साख नियंत्रण और व्यापारिक बैंकों एवं केंद्रीय बैंक के कार्यों की व्याख्या कर सकेंगे

CO 2 सरकार की भूमिका सार्वजनिक वस्तुओ के लिए प्रावधान कर के अनुकूलतम ढांचे एवं आर्थिक नीतियों के विभिन्न पहलुओं को समझ सकेंगे

CO 3 विकासशील देशों में सार्वजनिक व कराधान के प्रभाव और सार्वजनिक ऋण की भूमिका की व्याख्या कर सकेंगे

B.A. 1st YEAR

Paper:- 1 micro economics

CO 1 इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के बाद विद्यार्थी व्यष्टि अर्थशास्त्र के तर्कसंगत व्यवहार और बुनियादी अवधारणाओं को समझने में सक्षम होंगे

CO 2 वे उपभोक्ता और उत्पादकों के व्यवहार और उनके इष्टतम निर्णय की व्याख्या एवं फर्म और उद्योगों द्वारा बाजारों में स्थित उत्पादन के निर्णय के बारे में जान सकेंगे

CO 3 विद्यार्थी वितरण के सिद्धांत और आर्थिक कल्याण की अवधारणा को समझ सकेंगे

CO 4 व्यष्टि अर्थशास्त्र सीखना वास्तविक दुनिया में हमें प्रभावित करने वाले कई कारकों की समझ हासिल करने का एक प्रभावी तरीका है जैसे कि सामान खरीदने के तरीके उत्पादन मूल्य निर्धारण और साधन मूल्य निर्धारण

CO 5 अर्थशास्त्र के सिद्धांतों के बारे में जानने के लिए व्यष्टि अर्थशास्त्र को समझना महत्वपूर्ण है

Paper:-2 भारतीय अर्थव्यवस्था

Govt. College, Nagda

CO 1 इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के बाद विद्यार्थी भारतीय अर्थव्यवस्था का विस्तृत अध्ययन कर अपने विश्लेषणात्मक कौशल में अभिवृद्धि करने में सक्षम होंगे

CO 2 भारत में कृषि उद्योग विदेशी व्यापार आर्थिक नियोजन और विभिन्न आर्थिक समस्याओं के संबंधित मुद्दों से परिचित होंगे तथा मध्य प्रदेश की अर्थव्यवस्था के विभिन्न पहलुओं को भी समझ सकेंगे

CO 3 भारतीयअर्थव्यवस्था की घटनाओं और मुद्दों की व्याख्या एवं विश्लेषण करने में विद्यार्थी सक्षम होंगे

Govt. College, Nagda